The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतिकारी विचारों के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश सें बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की ओर उन्मुख हो। उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनों में सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिये जरुरत है एक विशेष आग की। वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे, अब वर्षो बाद राष्ट्र को अप्रीतम संत श्रीऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है। जब 14 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था, तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारों सें समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मी अग्नि पुरुष ने एक लम्बा सफर तय किया है। आज यह अग्नि शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्टा पर है और जन-जन के मन मस्तिक पर बैठे ऋषिजी एक ऐसे संत है, जिन्होंने अपने शब्द बाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी हैं। उन तरंगो ने ठहरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होंने लाखों लोगों के मस्तिक को झंकृत कर दिया है। अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यो के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजी ने धर्म और समाज की चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक ऐसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड-खंड करके रख दिया है।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक और वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वहीं दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिये ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यकता है। इसमें अभिनव प्राण फूंक्रने के लिये हमें ऐसे ही संत चाहिए। ऋषिजी भारत और विश्व के विभिन्न प्रान्तों में क्वालिटी लाईफ एवं गुणवत्तामय जीवन पर प्रवचन देते है। उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारों लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है।

© Pratidhwani, All Rights Reserved. Mfg. Under Exclusive License by **Universal Media Ltd.**
Regd. Office : 7/10, Mangalam, Bapunagar, Ahmedabad-380 024, Gujarat, **India.**
Aashram : Vishwa Dharma Foundation, Vishwa Dham, Rishikesh, Uttarakhand, **India.**
Head Office : New Jercy 07012, **USA** • **Corporate Office :** Lichfield, WS13 6QD, **UK.**

|| आई श्री AAY SHRI ||
UNIVERSAL MEDIA

Vishwa Dharma
One World, One Family

http://universalmedia.org.in

विश्व यात्रा

An Inspirational Journey of Vishwa Sant

01 Mansarovar
02 Amarnath
03 Shiv Khori
04 Dwadasha Jyotirlinga
05 Kashi
06 Maha Kumbh
07 Haridwar
08 Rishikesh
09 Pashupatinath
10 Girnar
11 Char Dham
12 Tirupati Balaji
13 Jagannath
14 Pushkar
15 Ayodhya
16 Mathura
17 Dwarka
18 Akshardham
19 Vaishno Devi
20 Nau Deviyan
21 Ganga
22 Ramakrishna Temple
23 New Delhi
24 Jaipur
25 Khajuraho
26 Ajanta Caves
27 Ellora Caves
28 Goa
29 West India
30 South India
31 Central India
32 East India
33 North India
34 Asia
35 Africa
36 Europe
37 Australia
38 South America
39 North America

क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी

'क्वोलिटी लाईफ' के जनक

वे विश्व के रसुखवालों के आध्यात्मिक रुप से संगठित सबसे बडे नेटवर्क के मुखिया हैं, क्योंकि वे क्वोलिटी लाईफ मंत्र के जनक हैं। उनके क्वोलिटि लाईफ मंत्र से विश्व भर में बदलाव आया हैं। उनका साम्राज्य विश्व भर में फेला हुआ हैं, क्योंकि आध्यात्मिक जगत के सबसे प्रभावी स्वामी जिनके अनुयायियों की संख्या दुनिया भर में ढाई करोड़ से अधिक हैं। वे विश्व के मूल्यवान ब्रान्ड हैं ,क्योंकि उनका कारोबारी ब्रान्ड ऐसा है जिस पर विश्व आँख मूंदकर भरोसा करता हैं। वे सदैव गरिमा की मूर्ति है, क्योंकि वे भारतीय आध्यात्मिकता के पर्याय वाची हैं। वे भड़कीले लोगों के गुरु हैं, क्योंकि मीडिया मालिक से लेकर ज़हाज निर्माता, मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक सब उनके समागम में सामिल होते हैं। वे विश्व के राजनैतिक श्रेष्ठि वर्गकों निर्देशीत करनेवाली अदृश्य शक्ति हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ते उद्यम के प्रमुख हैं। उनकी क्रांतिकारी योजना रामबाण नुष्खा साबित हो सकती हैं। वे नई सहस्त्राब्दी के मनोहारी कृष्ण योगी हैं।

पहचान : विश्व में सर्वाधिक सुने और पढ़े जाने वाले तथा दिल और दिमाग को झकझोर कर देने वाले अद्‌भुत प्रवचन। अपनी नायाब प्रवचन शैली के लिये विश्वभरमें सर्वाधिक चर्चित और ऋषिजी के रुपमें पहचान।

मिशन : 'धक्वालिटी लाइफ' एवं गुणवत्तामय जीवन का विश्व व्यापी प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण।

© Pratidhwani, All Rights Reserved. Mfg. Under Exclusive License by **Universal Media Ltd.**
Regd. Office : 7/10, Mangalam, Bapunagar, Ahmedabad-380 024, Gujarat, **India.**
Aashram : Vishwa Dharma Foundation, Vishwa Dham, Rishikesh, Uttarakhand, **India.**
Head Office : New Jercy 07012, **USA** • **Corporate Office :** Lichfield, WS13 6QD, **UK.**

HINDI VEDIO DVD

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतिकारी विचारों के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश सें बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की ओर उन्मुख हो। उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनों में सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिये जरुरत है एक विशेष आग की। वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे, अब वर्षो बाद राष्ट्र को अप्रीतम संत श्रीऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है। जब 14 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था, तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारों सें समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मी अग्नि पुरुष ने एक लम्बा सफर तय किया है। आज यह अग्नि शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्ठा पर है और जन-जन के मन मस्तिक पर बैठे ऋषिजी एक ऐसे संत है, जिन्होंने अपने शब्द बाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी हैं। उन तरंगो ने ठहरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होंने लाखों लोगों के मस्तिक को झंकृत कर दिया है। अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यो के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजी ने धर्म और समाज की चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक ऐसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड-खंड करके रख दिया है।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक और वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वहीं दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिये ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यकता है। इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिये हमें ऐसे ही संत चाहिए। ऋषिजी भारत और विश्व के विभिन्न प्रान्तों में क्वालिटी लाईफ एवं गुणवत्तामय जीवन पर प्रवचन देते है। उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारों लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है।

© Pratidhwani, All Rights Reserved. Mfg. Under Exclusive License by **Universal Media Ltd.**
Regd. Office : 7/10, Mangalam, Bapunagar, Ahmedabad-380 024, Gujarat, **India.**
Aashram : Vishwa Dharma Foundation, Vishwa Dham, Rishikesh, Uttarakhand, **India.**
Head Office : New Jercy 07012, **USA • Corporate Office :** Lichfield, WS13 6QD, **UK.**

HINDI VEDIO DVD

विश्व वाणी

एक संबुद्ध सदगुरु श्री विश्व संत की आत्मवाणी

क्रांति

Best Sellers ₹150 ISO 9001-2015

ॐ श्री Aay Shri

UNIVERSAL MEDIA

Vishwa Dharma One World, One Family

http://universalmedia.org.in

HINDI VEDIO DVD

विश्व वाणी

एक संबुद्ध सदगुरु श्री विश्व संत की आत्मवाणी

क्रांति

Best Seller ₹150 ISO 9001-2015

ॐ श्री Aay Shri

UNIVERSAL MEDIA

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतिकारी विचारों के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश सें बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की ओर उन्मुख हो। उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनों में सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिये जरुरत है एक विशेष आग की। वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे, अब वर्षो बाद राष्ट्र को अप्रीतम संत श्रीऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है। जब 14 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था, तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारों सें समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मी अग्नि पुरुष ने एक लम्बा सफर तय किया है। आज यह अग्नि शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्टा पर है और जन-जन के मन मस्तिक पर बैठे ऋषिजी एक ऐसे संत है, जिन्होंने अपने शब्द बाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी हैं। उन तरंगो ने ठहरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होंने लाखों लोगों के मस्तिक को झंकृत कर दिया है। अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यो के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजी ने धर्म और समाज की चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक ऐसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड-खंड करके रख दिया है।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक और वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वहीं दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिये ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यकता है। इसमें अभिनव प्राण फूंक्रने के लिये हमें ऐसे ही संत चाहिए। ऋषिजी भारत और विश्व के विभिन्न प्रान्तों में क्वालिटी लाईफ एवं गुणवत्तामय जीवन पर प्रवचन देते है। उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारों लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है।

© Pratidhwani, All Rights Reserved. Mfg. Under Exclusive License by **Universal Media Ltd.**
Regd. Office : 7/10, Mangalam, Bapunagar, Ahmedabad-380 024, Gujarat, **India.**
Aashram : Vishwa Dharma Foundation, Vishwa Dham, Rishikesh, Uttarakhand, **India.**
Head Office : New Jercy 07012, **USA** • **Corporate Office** : Lichfield, WS13 6QD, **UK.**

॥ आई श्री AAY SHRI ॥
UNIVERSAL MEDIA
Vishwa Dharma
One World, One Family
http://universalmedia.org.in

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतिकारी विचारों के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश सें बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की ओर उन्मुख हो। उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनों में सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिये जरुरत है एक विशेष आग की। वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे, अब वर्षो बाद राष्ट्र को अप्रीतम संत श्रीऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है। जब 14 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था, तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारों सें समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मी अग्नि पुरुष ने एक लम्बा सफर तय किया है। आज यह अग्नि शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्ठा पर है और जन-जन के मन मस्तिक पर बैठे ऋषिजी एक ऐसे संत है, जिन्होंने अपने शब्द बाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी हैं। उन तरंगो ने ठहरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होंने लाखों लोगों के मस्तिक को झंकृत कर दिया है। अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यो के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजी ने धर्म और समाज की चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक ऐसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड-खंड करके रख दिया है।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक और वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वहीं दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिये ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यकता है। इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिये हमें ऐसे ही संत चाहिए। ऋषिजी भारत और विश्व के विभिन्न प्रान्तों में क्वालिटी लाईफ एवं गुणवत्तामय जीवन पर प्रवचन देते है। उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारों लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है।

© Pratidhwani, All Rights Reserved. Mfg. Under Exclusive License by **Universal Media Ltd.**
Regd. Office : 7/10, Mangalam, Bapunagar, Ahmedabad-380 024, Gujarat, **India.**
Aashram : Vishwa Dharma Foundation, Vishwa Dham, Rishikesh, Uttarakhand, **India.**
Head Office : New Jercy 07012, **USA** • **Corporate Office :** Lichfield, WS13 6QD, **UK.**

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतिकारी विचारों के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश सें बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की ओर उन्मुख हो। उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनों में सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिये जरुरत है एक विशेष आग की। वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे, अब वर्षो बाद राष्ट्र को अप्रीतम संत श्रीऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है। जब 14 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था, तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारों सें समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मी अग्नि पुरुष ने एक लम्बा सफर तय किया है। आज यह अग्नि शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्टा पर है और जन-जन के मन मस्तिक पर बैठे ऋषिजी एक ऐसे संत है, जिन्होंने अपने शब्द बाण से विश्व विचार सागर में कोटिश: तरंगे छोड़ी हैं। उन तरंगो ने ठहरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होंने लाखों लोगों के मस्तिक को झंकृत कर दिया है। अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यो के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजी ने धर्म और समाज की चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक ऐसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड-खंड करके रख दिया है।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक और वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वहीं दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिये ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यकता है। इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिये हमें ऐसे ही संत चाहिए। ऋषिजी भारत और विश्व के विभिन्न प्रान्तों में क्वालिटी लाईफ एवं गुणवत्तामय जीवन पर प्रवचन देते है। उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारों लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है।

© Pratidhwani, All Rights Reserved. Mfg. Under Exclusive License by **Universal Media Ltd.**

Regd. Office : 7/10, Mangalam, Bapunagar, Ahmedabad-380 024, Gujarat, **India.**
Aashram : Vishwa Dharma Foundation, Vishwa Dham, Rishikesh, Uttarakhand, **India.**
Head Office : New Jercy 07012, **USA** • **Corporate Office :** Lichfield, WS13 6QD, **UK.**

आई श्री AAY SHRI
UNIVERSAL MEDIA

Vishwa Dharma
One World, One Family

http://universalmedia.org.in

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतिकारी विचारों के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश सें बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की ओर उन्मुख हो। उसका एक–एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनों में सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिये जरुरत है एक विशेष आग की। वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे, अब वर्षो बाद राष्ट्र को अप्रीतम संत श्रीऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है। जब 14 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था, तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारों सें समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मी अग्नि पुरुष ने एक लम्बा सफर तय किया है। आज यह अग्नि शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्ठा पर है और जन–जन के मन मस्तिक पर बैठे ऋषिजी एक ऐसे संत है, जिन्होंने अपने शब्द बाण से विश्व विचार सागर में कोटिश: तरंगे छोड़ी हैं। उन तरंगो ने ठहरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होंने लाखों लोगों के मस्तिक को झंकृत कर दिया है। अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यो के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजी ने धर्म और समाज की चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक ऐसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड–खंड करके रख दिया है।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक और वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वहीं दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिये ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यकता है। इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिये हमें ऐसे ही संत चाहिए। ऋषिजी भारत और विश्व के विभिन्न प्रान्तों में क्वालिटी लाईफ एवं गुणवत्तामय जीवन पर प्रवचन देते है। उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारों लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है।

© Pratidhwani, All Rights Reserved. Mfg. Under Exclusive License by **Universal Media Ltd.**
Regd. Office : 7/10, Mangalam, Bapunagar, Ahmedabad-380 024, Gujarat, **India.**
Aashram : Vishwa Dharma Foundation, Vishwa Dham, Rishikesh, Uttarakhand, **India.**
Head Office : New Jercy 07012, **USA** • **Corporate Office :** Lichfield, WS13 6QD, **UK.**